

यज्ञा यज्ञा वः समना तुतुर्वणिः RV. 1, 168, 1. Zur Form vgl. जुगुर्वणि, प्र-
शुक्नि.

तुतुर्वणिः UṆĀDIS. 2, 7. 1) m. Feuer H. an. 2, 216. VIṢVA bei UḠĒVAL. n. UṆĀDIVṚ. im SAṆKSHIPTAS. ÇKDā. — 2) f. आ a) die Indigopflanze, = नीली AK. 2, 4, 3, 13. H. 1052. H. an. MED. th. 8. VIṢVA. = महानीली RĪĀAN. im ÇKDā. — b) kleine Kardamomen AK. 2, 4, 4, 13. H. an. (lies: सूक्ष्मैलायाम्). MED. VIṢVA. — 3) n. a) schwefelsaures Kupfer, blauer Vitriol (als Kollyrium gebraucht) AK. 2, 9, 102. H. 1052. H. an. MED. VIṢVA (m.). SUÇA. 2, 13, 2. 23, 14. 63, 19. 67, 16. 114, 14. 123, 1. 325, 10. 327, 17. 333, 14. 356, 13. = रसाञ्जन UṆĀDIK. im ÇKDā. Kollyrium überh. H. 1053; vgl. कर्परिकातुत्य (u. कर्परिका), खर्परी, मूषा. — b) Stein, Felsblock (यावन्) UṆĀDIK. im ÇKDā.

तुत्यक n. = तुत्य blauer Vitriol ÇABDAĀ. im ÇKDā. SUÇA. 1, 140, 13. 2, 341, 21. 357, 11.

तुत्यप्, तुत्यति bedecken, überziehen Dhātup. 33, 84, f. Wohl ein denom. von तुत्य blauer Vitriol und viell. urspr. damit überziehen bedeutend.

तुत्याञ्जन (तुत्य + अञ्जन) n. als Kollyrium angewandter blauer Vitriol AK. 2, 9, 101. H. 1052.

तुत्ये von MARUDH. im Anschluss an ÇAT. Br. 4, 3, 4, 15 durch ब्रह्मरूप erklärt. तुथो ऽसि विश्ववेदेः VS. 5, 31. 7, 45. Dieselbe Formel auch LĀṬI. 2, 2, 18. ÇĀNEH. Çu. 6, 12, 18. PAÑĀV. Br. 1, 4. सत्यं वै तुथो विश्ववेदाः KĀTH. 28, 4.

1. तुद्, तुदति und ०ते Dhātup. 28, 1; तुदती und तुदती P. 6, 1, 173, Sch.; तुन्दते s. u. नि; तुतेदः तोत्स्यति und तोत्ता (Kār. 3 aus Siddh. K. zu P. 7, 2, 10); अतीत्सीत्; तुन्न; stossen, stacheln, stechen, geisseln, zerstoßen: यत्ते सदि मरुसा प्रकृतस्य पार्थ्या वा कशया वा तुतेद RV. 1, 162, 17. यतुदत्सूर एतंशं वद्ध वातस्य परिणीनां 8, 1, 11. याव्या तुन्नः (सोमः) 9, 67, 19. 20. क्रोळ्यो न मातरं तुदत्तः 10, 94, 14. तुदत्तं हिरिशिप्रो य अयसः 96, 4. AV. 6, 22, 3. गुह्यक्रुद्धस्तुदत्यपि MBh. 3, 1083. तुतेद गदया चारिम् BHATT. 14, 81. अतीत्सीत् 15, 37. वरुहं किं तुदसि माम् R. 2, 36, 14. प्रतेदेन तुद्यमानः MBh. 3, 335. 13, 7429. 4, 393. 3, 15767. स तुन्न इव तीक्ष्णो न प्रतेदेन क्योत्तमः R. 2, 14, 23. (ताम्) पतनुपडनखैस्तुदन् 96, 41. HARIV. 4186. MĀRK. P. 14, 13. तान्वै तुदति — राजसास्तीन्द्रदृष्टाः MBh. 1, 3607. fg. 1838. तुदत्यामलचं दशा मशकाः Bhāg. P. 3, 31, 27. श्पुभिरिव — मानसं कामिनीनां तुदति कुसुमचापः R. 6, 27, 2, 4. यथा तुदसि मर्माणि वाक्कैरिह नो भृशम् MBh. 2, 2530. 6, 5043. स तुन्नो वाक्प्रतेदेन प्रतेदेनेव कुञ्जरः R. GORR. 2, 11, 27. 24. वृहान् — वाचा तुदसि मर्मण्या HARIV. 4246. 4228. तुद्यमानो ऽरिड् रक्तितोमैः Bhāg. P. 3, 18, 6. किं मां तुदसि (uneig.) दुःखार्तं मृतं मारयसे च माम् MBh. 13, 1926. भावो भावं तुदति (lies: नुदति mit der v. l.) MĀLAV. 29. — Vgl. तर्द, तोत्त, तोद, तोदन, तोद्य. — caus. = simpl.: नाग इव — तोमराङ्कुशतोदितः R. 2, 74, 31. — intens. अवाच्यौ ते तोतुद्येते (Bdschr.: तोतुद्येते) तोदेनाश्चतराविव KAUC. 107.

— अनु, partic. अनुनुन्न vom Ton, abgestossen, staccato: अनुनुन्नं गायति, अनुनुन्नादि रेतो जपते PAÑĀV. Br. 12, 9. 10. अनुनुन्नं हि वैराजम् 8, 9. 10, 9. 12. ANUPADA 8, 11.

— आ stossen gegen, anstacheln, aufstossen, anpicken, aufreizen: घनोकाद्यातुद्य — वीरम् MBh. 1, 195. (अद्यान्) प्रतेदिनातुदन् M. 4, 68. यत्ते

कुञ्जः शंकुना आतुतोदे RV. 10, 16, 6. तस्मात्तदातुन्नात्प्रैति रसो वृत्तादिवाक्-
तात् (and. Rec. आतुष्पात् ÇAT. Br. 14, 6, 31. — Vgl. आतोदिन् fg.

— उद् aufstossen, aufreißen: उतुदस्वोतुदतु AV. 3, 23, 1.

— नि einstossen, einbohren: नू चित्तकोजा अमृतो नि तुन्दते कोता य-
दूतो अर्भवद्विस्वतः RV. 1, 38, 1. वेदं वाक् निमीर्वत्तो नितुदतीमराते
AV. 5, 7, 7. पुनर्नितुन्न KĀTH. 22, 6. 34, 6. — Vgl. नितोदिन्.

— अनुनि dass.: यत्र वे देवा इन्द्रियं वीर्यं रसमपश्यंस्तदनुन्यतुदन् PAÑ-
ĀV. Br. 13, 7. 13, 1.

— निम् zerstechen: सूचिभिरिव निस्तुद्यते SUÇA. 1, 61, 18. 202, 9. 370, 20.

— परि zerstampfen: आरुच्य वृत्तान्मिल्लान्गजः परितुदन्निव MBh.
8, 2747.

— प्र einhauen auf, stacheln: प्रतुदत्तो रणो स्थितो HARIV. 13283. त्रि-
भिस्त्रिभिश्च (शैः) प्रतुतोद कर्णम् MBh. 8, 4187. मर्माण्यभीक्ष्णं प्रतुदत्तं दु-
रुहैः Bhāg. P. 3, 18, 9. — Vgl. प्रतेद, प्रतोदिन्. — caus. stacheln, an-
treiben: अस्ततो च प्रपोम्येवं गोपुत्राणां प्रतोद्यत्तम् । वरुतां सुमरुभारं
संनिकर्षस्वनम् MBh. 13, 5733. तो तीक्ष्णाग्रेण मरुसा प्रतेदेन प्रतोदितौ
2795. प्रविश गृहमिति प्रतोद्यमाना न चलति MĀRK. 24, 7.

— वि zerstechen, stechen, geisseln: वि पूषन्नारया तुद पणोरिच्छ कृद्
प्रियम् RV. 6, 53, 6. भूमिम् aufreißen AV. 3, 17, 5. यः काणकैर्वितुदति
JĀG. 3, 53. वितुद्यमानं विक्रौः MBh. 11, 677. यदा तु तान्वितुदत्ते वयोसि
तथा गधाः 1, 3605. वितुदत्तैः 8, 2729. वितुन्नाङ्गं शरं प्रातिः 7, 8369. 9, 711.
नखग्रैः केन ते भीरु वितुन्नं हि स्तनात्तरम् R. 5, 68, 7. 6. अथ या मुडका
(गौः) राज्ञैव तां वितुदत्यपि MBh. 5, 1128. 12, 2503. वाक्काणकैर्वितुदत्तं
मनुष्यान् 1, 3559. 3, 1267. परान्दुर्हकैर्वितुदत्ति Bhāg. P. 4, 6, 47. — Vgl.
वितुन्न. — caus. = simpl.: प्रुङ्गे यायां वितुदत्यासि (sic) AV. 2, 32, 6.

— सम् stechen, geisseln: संतुद्यमानो बलवान्वाग्भिः MBh. 9, 3067.

2. तुद् (= 1. तुद्) adj. am Ende eines comp. stechend: व्रणानुदेव सूचि-
ना R. 2, 75, 16.

तुद् (von 1. तुद्) 1) adj. am Ende eines comp. stossend, an Etwas an-
stossend; s. अरुतुद् (urspr. an einer Wunde anstossend, dieselbe unsanft
berührend), तिलं, विधुतुद्. Nir. 3, 7 zur Erkl. von तोद. — 2) m. N. pr.
eines Mannes gaṇa शुभादि zu P. 4, 1, 123.

तुन्नं v. l. zu तन des RV. Nachkommenschaft SV. 1, 5, 1, 4, 5.

तुन्द 1) s. u. 1. तुद्. — 2) तुन्दति = त्रन्द sich rühren u. s. w. (चेष्टा-
याम्) Dhātup. 2, 32, v. l.

तुन्द P. 5, 2, 117. 1) n. ein starker Leib UḠĒVAL. zu UṆĀDIS. 4, 98. Bauch
AK. 2, 6, 2, 28. H. 604. — 2) m. Nabel TAUK. 2, 6, 25. तुन्दि f. ÇKDā. u.
WILS. nach ders. Aut. — 3) oxyt. adj. von तुन्द subst. gaṇa अर्शघ्रादि
zu P. 5, 2, 127. — Vgl. अजस्तुन्द.

तुन्दकूपिका (तु + कू + Vertiefung) f. Nabel H. 606. °कूपी f. dass.
TAUK. 2, 6, 25.

तुन्दपरिमार्ज (तु + प +) adj. = तुन्दपरिमृज Rāmān. zu AK. 2, 10, 19.
ÇKDā. der sich den Bauch zu streichen pflegt (in buchstäblichem Sinne)
P. 3, 2, 5, VārtL., Sch.

तुन्दपरिमृज (तु + प +) adj. UḠĒVAL. zu UṆĀDIS. 4, 98. der sich den
Bauch zu streichen pflegt so v. a. trägt, indolent P. 3, 2, 5 und VārtL.
AK. 2, 10, 19. H. 384.

तुन्दवत् (von तुन्द) adj. = तुन्दिक, तुन्दिल P. 5, 2, 117, Sch.